आकाशवाणी
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 19.01.2026
समय 1830

**मुख्य समाचार :–**

- राज्य में एकल महिला स्वरोजगार योजना और नंदा गौरा योजना के तहत चयनित लाभार्थियों को फरवरी के पहले सप्ताह में धनराशि दी जाएगी।
- प्रदेश की न्याय पंचायतों में तैनात कृषि सहायकों के मानदेय को आठ हजार 300 से बढ़ाकर 12 हजार 391 रुपए किया गया। शासनादेश जारी।
- मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने ''शिक्षा की बात'' कार्यक्रम के तहत प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं के साथ बातचीत की।
- पिथौरागढ़ जिला महिला अस्पताल में सीटी स्कैन की सुविधा शुरू। मरीजों को मिलेगा लाभ।

.....

**एकल महिला स्वरोजगार योजना**

प्रदेश में पहली बार शुरू की जा रही एकल महिला स्वरोजगार योजना और नंदा गौरा योजना के तहत चयनित लाभार्थियों को फरवरी के पहले सप्ताह में धनराशि दी जाएगी। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने आज सचिवालय में आयोजित बैठक में विभागीय योजनाओं की समीक्षा के बाद यह बात कही। उन्होंने बताया कि एकल महिला स्वरोजगार योजना के तहत अब तक 504 पात्र महिलाओं की सूची तैयार कर दी गई है। इन सभी को फरवरी के पहले सप्ताह में धनराशि वितरित की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत अभी कुछ अन्य जिलों की कुल 331 पात्र अभ्यर्थियों की सूची को अंतिम रूप देने की औपचारिकता को जल्दी ही पूरा किया जाएगा।

श्रीमती आर्या ने बताया कि नंदा गौरा योजना के तहत अब तक प्रदेश के 11 जिलों के लाभार्थियों की अंतिम सूची तैयार की गई है। इनमें 34 हजार 852 इंटरमीडिएट उत्तीर्ण करने वाली छात्राएं और छह हजार 21 जन्म लेने वाली बालिकाएं चिन्हित की गई है। उन्होंने शेष दो जिलों के लाभार्थियों की सूची भी शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

**मानदेय बढ़ोतरी**

प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी के निर्देशों के क्रम में न्याय पंचायतों में तैनात कृषि सहायकों के मानदेय में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। उनके मानदेय को 8 हजार 300 से बढ़ाकर 12 हजार 391 रुपए किया गया है, जिसका शासनादेश भी जारी कर दिया गया है। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि सहायक

राज्य में किसानों तक सरकारी योजनाओं और तकनीकी जानकारियों को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनका मनोबल बढ़ाना और उन्हें उचित पारिश्रमिक देना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। गौरतलब है कि कृषि सहायक लंबे समय से मानदेय बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे। कृषि सहायकों की इस मांग को गंभीरता से लेते हुए कृषि मंत्री ने कृषि सचिव को आवश्यक निर्देश दिए थे।

**नशामुक्त उत्तराखण्ड**

उत्तराखण्ड को नशामुक्त बनाने के लिए प्रदेशभर में नशे के खिलाफ अभियान को और तेज कर दिया गया है। पुलिस–प्रशासन के साथ ही औषधि नियंत्रण विभाग भी नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध बिक्री पर सख्ती से कार्रवाई कर रहा है। औषधि नियंत्रक ताजबर सिंह जग्गी ने बताया कि विभाग ने मेडिकल स्टोर संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि ऐसी जीवनरक्षक दवाएं, जिनका दुरुपयोग नशे के रूप में किया जाता है, बिना डॉक्टर के परामर्श के नहीं बेची जाएंगी और इनकी सीमित मात्रा ही मेडिकल स्टोर पर रखी जा सकेगी। उन्होंने बताया कि राज्य के मेडिकल स्टोरों में छापेमारी अभियान लगातार जारी है।

**राज्यपाल**

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने आज नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने उत्तराखण्ड की रजत जयंती और नैनीताल लोक भवन के 125 वर्ष पूरा होने पर राष्ट्रपति के आगमन पर आधारित दो कॉफी टेबल बुक भेंट की। राज्यपाल ने राष्ट्रपति से उत्तराखण्ड द्वारा टीबी उन्मूलन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों और राज्य की प्रगति पर भी चर्चा की।

**शिक्षा की बात**

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने आज देहरादून के ननूरखेड़ा स्थित राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में ''शिक्षा की बात'' कार्यक्रम के तहत प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बातचीत की। उन्होंने सभी छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता का कोई शॉर्ट–कट नहीं है। इसके लिए एक लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करनी पड़ती है और मेहनत व अनुशासन हमें बेहतर बनाते हैं। उन्होंने छात्रों से किताबें, खेल और रचनात्मक सोच पर ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों से आए बच्चों द्वारा तैयार विज्ञान प्रोजेक्ट्स का भी अवलोकन किया और उनसे बातचीत की। प्रोजेक्ट्स की प्रशंसा करते हुए उन्होंने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए बच्चों को देहरादून भ्रमण कराये जाने की भी बात कही, ताकि उन्हें किताबी ज्ञान के अलावा अन्य व्यावहारिक ज्ञान और जानकारी मिल सके। इस दौरान मुख्य सचिव ने शिक्षा विभाग को 'शिक्षा की बात' कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए इसमें उद्योगपतियों, वैज्ञानिकों, प्रोफेसरों और विभिन्न क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहे व्यक्तियों से बातचीत कराते हुए बच्चों का मार्गदर्शन करने का अवसर देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम को अन्य सभी विद्यालयों में भी शुरू किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि क्लस्टर विद्यालयों से इसकी शुरूआत करते हुए सभी क्लस्टर विद्यालयों को इससे जोड़ा जाए।

## सीटी स्कैन मशीन

पिथौरागढ़ के जिला महिला अस्पताल में आज से सीटी स्कैन मशीन की शुरुआत हो गई है। जिलाधिकारी आशीष भटगाईं ने बताया कि इससे महिला अस्पताल आने वाले मरीजों को काफी फायदा मिलेगा। वहीं, अस्पताल की प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक भागीरथी गर्ब्याल ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा महिला अस्पताल में स्थापित की गई इस आधुनिक तकनीक मशीन से मरीजों को जिले में ही अनेक प्रकार के सीटी स्कैन की सुविधा मिल सकेगी।

## भौक्षणिक भ्रमण

रुद्रप्रयाग जिले के सात पीएम श्री विद्यालयों के 28 मेधावी छात्रों का दल आज राजस्थान के पांच दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर रवाना हुआ। इस दल को मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत और नगर पालिका अध्यक्ष संतोष रावत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दल में शामिल छात्र जयपुर और उदयपुर जैसे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नगरों का भ्रमण करेंगे। इससे छात्रों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरों, आधुनिक शैक्षणिक संस्थानों और नवीन शिक्षण पद्धतियों को निकट से समझने का अवसर मिलेगा। यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह पहल सरकारी विद्यालयों के शैक्षणिक स्तर को सुदृढ़ करने और विद्यार्थियों को व्यवहारिक एवं अनुभवात्मक शिक्षा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

## गौ सेवा भवन

रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन और नगर पंचायत अगस्त्यमुनि की ओर से निर्मित गौधाम– गौ सेवा भवन का आज लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने कहा कि गौ सेवा भवन के निर्माण से नगर क्षेत्र के निराश्रित गोवंशों को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध हो सका है। उन्होंने बताया कि अगस्त्यमुनि नगर क्षेत्र में एक अन्य गौशाला के लिए भूमि चयन की प्रक्रिया गतिमान है, जिसका निर्माण जिला खनन निधि से प्रस्तावित है। जिलाधिकारी ने बताया कि वर्तमान गौ सेवा भवन की क्षमता 53 गोवंशों की है, जबकि तिलवाड़ा सुमाड़ी क्षेत्र में भी गौशाला निर्माण के प्रस्ताव हैं, जिससे भविष्य में लगभग 190 गोवंशों के संरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि निराश्रित गोवंशों की सेवा जनसहयोग से ही संभव है और आम नागरिक अपनी सामर्थ्य के अनुसार भोजन व अन्य सामग्री का सहयोग कर कर सकते हैं।